निबंधात्मक परीक्षा में सुधार के उपाय

Measures for improving AC type examination

निबंधात्मक परीक्षा में सुधार के निम्नलिखित मुख्य उपाय हैं :

प्रश्न रचना में सुधार

Improvement in question setting

निबंधात्मक परीक्षा को उपयोगी तथा वस्तुनिष्ट बनाने के लिए प्रश्नों की रचना में सुधार लाना आवश्यक है ।इस संदर्भ में कई बातें महत्वपूर्ण है । प्रश्नों का निर्माण करते समय संपूर्ण पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए प्रश्नों की संख्या बढ़ा दी जा सकती है ।जितने समय में परीक्षार्थी पांच या छह लंबे-लंबे प्रश्नों के उत्तर लिखते हैं उतने समय में 20 या 25 छोटे-छोटे प्रश्नों के उत्तरआसानी से लिख सकते हैं ।दूसरी बात यह कि प्रश्न इस प्रकार के हैं जिनसे विद्यार्थी के स्मृति के साथ-साथ उनकी सूर्य तथा विवेचनात्मक क्षमता का भी जांच हो सके ।तीसरी बात यह कि प्रश्नों का निर्माण करते समय विद्यार्थी की व्यक्तिगत विभिन्नताओं को ध्यान में रखा जाए ।कुछ प्रश्न कठिन तथा कुछ आसान हो, ताकि सभी स्तरों के विद्यार्थी उत्तर दे सके और चौथी बात यह कि प्रश्नों की भाषा स्पष्ट हो ताकि उनके अर्थ समझने में संदिग्ध ता उत्पन्न ना हो ।

मूल्यांकन में सुधार

Improvement in evaluation

उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में सुधार करके निबंधात्मक परीक्षा की त्रुटियों को एक बड़ी हद तक दूर किया जा सकता है ।परीक्षकों को चाहिए कि एक साथ मिलकर एक समान मापदंड बना लें और उसी के अनुसार प्रश्न उत्तरों की जांच करें ।किसी प्रश्न के उत्तर के लिए जो अपेक्षित हो, उन्हें लिख लिया जाए तथा प्रत्येक के लिए अंक निर्धारित कर लिया जाए ।ऐसा करने से मूल्यांकन का महानंद बहुत आंसुओं में समान तथा वैज्ञानिक हो सकेगा ।

Scanned with CamScanner

परीक्षक में सुधार

Improvement in examiners

निबंधात्मक परीक्षा को उपयोगी बनाने के लिए परीक्षकों में सुधार करना भी आवश्यक है ।उत्तरों की जांच करते समय परीक्षा को पूर्वधारणा पक्षपात तथा अन्य व्यक्तिगत तत्वों से मुक्त होना चाहिए ।उत्तरों को सावधानी से पढ़ना चाहिए ताकि वह जान सके कि परीक्षार्थी ने अपेक्षित बातों को लिखा है अथवा केवल बात बनाया है ।इस तरह परीक्षक को चाहिए कि उत्तरों की जांच उसी समय करें ,जबकि वे मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ हैं ।

मूल्यांकन के लिए पर्याप्त समय

Sufficient time for revaluation

उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के लिए परीक्षकों को पर्याप्त समय मिलना चाहिए और पर्याप्त समय होने के कारण परीक्षा पुस्तकों की जांच समुचित ढंग से करने में असमर्थ होते हैं ।अतएव चाह कर भी वह परीक्षार्थी के साथ न्याय नहीं कर पाते हैं ।यदि उन्हें पर्याप्त समय मिल जाए तो वे अपने कर्तव्य को पूरा करने में समर्थ हो सकते हैं ।अध्यापन में सुधार

Improvement in teaching

निबंधात्मक परीक्षा की त्रुटियों को दूर करने तथा उसकी उपयोगिता को बढ़ाने के लिए अध्यापन में सुधार करना भी आवश्यक है ।किसी विषय पर वह टिप्पणी लिखवाने के बदले उनके विभिन्न पहलुओं का विवेचन करें ।इसमें विद्यार्थियों की अभिरुचि जगाना तथा उसकी योग्यता को सोच के माध्यम से विकसित होने देना इत्यादि लाभप्रद हैं ।इनसे एक और विद्यार्थियों को समझकर सीखने का प्रोत्साहन मिलेगा और दूसरी ओर लौट कर याद करने की प्रवृत्ति कम हो जाएगी ।इस तरह इस परीक्षा प्रणाली से उनकी वास्तविक योगिता का मापन हो सकेगा ।अन्य परीक्षणों का उपयोग

Use of other tests

निबंधात्मक परीक्षा के साथ-साथ अन्य वस्तुनिष्ठ परीक्षण तथा मौखिक परीक्षण का उपयोग आवश्यक है ।वस्तुनिष्ठ परीक्षा के आधार पर प्राप्त अंकों से निबंधात्मक परीक्षण की विश्वसनीयता तथा वह देता को निर्धारित करने में बड़ी सहायता मिलती है ।वस्तुनिष्ठ परीक्षण के विभिन्न प्रकारों का वर्णन हम कर चुके हैं ।इसी प्रकार मौखिक परीक्षा का उपयोग करके भी निबंधात्मक परीक्षण की उपयोगिता

द्वि परीक्षक पद

Double examinership

वी परीक्षक पद के उपयोग से निबंधात्मक परीक्षा की बहुत सी त्रुटियां दूर हो सकती है ।अतः व्यवहारिक परीक्षा की तरह सिद्धांत परीक्षा में भी द्वि परीक्षक पद का चलन होना चाहिए ।इससे प्रश्न उत्तर के

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन पर परीक्षकों के व्यक्तिगत कारणों का प्रभाव बहुत ही कम पड़ता है ।कारण यह कि प्रत्येक परीक्षा को इस बात का भय रहता है कि कहीं उसके द्वारा दिए गए अंक दूसरे परीक्षक के द्वारा दिए गए अंकों से बहुत कम या बहुत अधिक ना हो ।

बाजारो पुस्तकों पर रोक

Ban on cheap notebooks

अधिकारियों तथा प्रबंधकों को चाहिए कि गेस पेपर, नोटबुक आदि बाजारों पुस्तकों पर रोक लगा दी जाए ।ऐसा होने से विद्यार्थियों को बाध्य होकर अपने वर्ग की निर्धारित पुस्तकों का अध्ययन करना पड़ेगा ।इस प्रकार उसकई योग्यता समग्र रूप से विकसित हो सकेगी ।

योग्य परीक्षकों का चयन

Selection of able examiners

निबंधात्मक परीक्षा को उपयोगी बनाने के लिए तथा विद्यार्थियों की वास्तविक उपलब्धि की जांच के लिए योग्य परीक्षकों का चुनाव भी आवश्यक है ।उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के लिए योग्य शिक्षकों की नियुक्ति होनी चाहिए ।कुछ परीक्षा का अनुभव भी नहीं होने के कारण परीक्षार्थियों के साथ न्याय करने में असमर्थ होते हैं ।ऐसे परीक्षकों की नियुक्ति नहीं होनी चाहिए ।उसी तरह कुछ परीक्षकों को उनकी इच्छा नहीं होने पर भी नियुक्त कर लिया जाता है ।यह भी अनुचित है अनुभवी शिक्षकों के पास एक ही समय विभिन्न वर्गों की उत्तर पुस्तिकाएं आज आने के कारण वे चाहकर नहीं कर पाते हैं ।ऐसे अनुभवी परीक्षकों को एक समय में उतनी ही उत्तर पुस्तिकाएं मिलनी चाहिए जिनकी जांच हुई समुचित रूप से कर सकें ।

केन्द्रीय मूल्यांकन

Centralised evaluation

उत्तर पुस्तिकाओं के केन्द्रीय मूल्यांकनसे समय एवं श्रम की बचत होती है और गड़बड़ी की संभावना कम होती है । उपर्युक्त बातों पर यदि अमल किया जाए तो निबंधात्मक परीक्षा की बहुत सी त्रुटियों को दूर की जा सकती है तथा इनकी गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकता है ।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश

विद्यार्थियों को निर्देशित किया जाता है कि दिए गए पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ें, समझें और अपने शब्दों में लिखने का प्रयास करें। किसी भी तरह की कठिनाई होने पर मुझसे व्हाट्सएप पर संपर्क करें ।धन्यवाद

Scanned with CamScanner